



भारत का गज़ेट The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ४९]
No. ४९)

नई दिल्ली, सौमवार, मार्च 22, 1982/चैत्र 1, 1904
NEW DELHI, MONDAY, MARCH 22, 1982/CHAITRA 1, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न हो जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मार्च, 82

सांख्यिकी 262(अ).—केंद्रीय मरकार और विधि प्रसाधन सामग्री
प्रधिनियम, 1940 (1940 का 23) की घारा 12 और 35 घारा
प्रदत्त भारियों का प्रयोग करने द्वारा और विधि नसीरी के मनाहकार बींड
से परामर्श करते के पश्चात् और विधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945
का कलिपय और संशोधन करना आहती है। जैसा कि उक्त भारियों में
प्रयोगित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों
की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उसमें प्रसाधित
होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना भी जाती है कि उक्त प्रारूप
पर उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियोगिता में यह प्रधिसूचना
प्रकाशित की जाती है जनता को उपलब्ध करा दी जाती है नवेर विन के
पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विविरित विधि के पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की वाक्य जो
भी आक्षेप या मुमाल किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केंद्रीय मरकार उन पर
विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का मंथन नाम और विधि और प्रसाधन सामग्री
(हस्तीग संग्रहन) नियम, 1982 है।

2. और विधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में,—

(1) नियम 124-ए के पश्चात् निम्नलिखित प्रस्तावित किया
जाएगा :—

"124-ग—शास्त्रिकालीय ड्रेसिंग के लिए मानक

गल्य चिकित्सीय ड्रेसिंग के लिए मानक वे होंगे जो अनुसूची च (ii)
में विधिकृत है।"

(ii) अनुसूची च (i) के पश्चात् निम्नलिखित प्रस्तावित किया
जाएगा, अवधि :—

अनुसूची च (II) (नियम 124-ग वेळे)

पट्टी के कपड़े के लिए मानक :

सामार्थक-पट्टी के लिए विराजित कपड़ा लपेटी हुई पट्टी या बुनी
हुई पट्टी, पट्टी के लिए सूती कपड़ा।

पट्टी के लिए कपड़ा मारी बुनाई का सूती कपड़ा होता है जो
यंत्र में काटे गए उपकृत काउन्ट के धारों से बना हो और जो ताने से
20 टेक्स और 25 टेक्स के बीच और बनाने के लिए 25 टेक्स से 30
टेक्स के बीच विरचित काउन्ट के अनुरूप होता। फिर फाइबर में कोई
बानक, साइरिंग या ड्रेसिंग सामग्री नहीं होती। यह काटे जिन और
मोड़कर या उपयुक्त आकार में काट कर बना कर प्रदत्त किया जा
सकता।

3. कपड़ी हुई पट्टियों का वर्णन :

एक निरंतर लंबाई में मारी बुनाई का सूती कपड़ा जिसमें कोई जोड़
या सीधान न हो और जिसमें किनारे से अच्छा तरह बने हुए हों। कपड़ा

विरंजित करके अच्छे तरह से बनाया गया होगा, साफ और गंधरहित होगा और बुनाई की तृटियों और बीज और पत्ती की गंभीर से यूक्तियुक्त रूप से मुक्त होगा।

काटी हुई पट्टियों के लिए:

काटी हुई पट्टियों की वजा में किनारों को छोड़कर जो काटी हुई पट्टियों के अन्तर्गत नहीं है काटी हुई पट्टियों के अंतिम छोर और किनारे भी पीधे और समानांतर से कटे होंगे जैसे घासों से मुक्त होंगे।

प्रति शौ.एम० धारो :—ताना 150 से कम नहीं और बाना 85 से कम नहीं।

प्रामाण में भार 2.57+5

लंबाई और चौड़ाई : लंबाई और चौड़ाई, लेबल पर कथित प्रत्येक लंबाई और चौड़ाई के 99 प्रतिशत से कम होगी। काटी हुई पट्टियों की दशा में पैकिंग में प्रत्येक पट्टी इस प्रपेक्षा के अनुरूप होनी चाहिए।

विजातीय पदार्थ :

—दो प्रतिशत से अधिक नहीं।

उत्प्रकल्पना : जब स्क्रीनिंग परामेग्नी प्रकाशन में देखा जाए तो आकस्मिक उत्प्रकल्पन के बिन्दु ही देखे जा सकें।

पैक करना लेबल लगाना और भण्डारकरण : पट्टियों के कपड़े को सुरक्षित रूप से पैक किया जाएगा जिससे कि अन्तर्वस्तु को काढ़े या उच्छव निए बिना परिवहन में उठाया जा सके। काटी हुई और रोल की गई पट्टियों के पैकिंग में प्रत्येक पट्टी को उपयुक्त कागज में अलग-अलग लपेटा जाएगा। शुद्ध साना लेबल पर, लंबाई और चौड़ाई वर्णित हुए कथित की जाएंगी। पट्टी का कपड़ा अच्छी तरह पैक किया जाएगा जिससे कि धूल से बचाया जा सके।

प्रबोधी राज के लिए नामक :

समानरूप :—आवधिकवहीन गेज, प्रबोधी सूत०ए० गेज 1 अवशोषी गेज, सावी बुनाई का सूती फैब्रिक है जो विस्त्रित लंबाई और चौड़ाई (आकारों) में दिया जाता है। गेज विरंजित होता है और साइजिंग, ब्रॉकिंग या यानक सामग्री से मुक्त होगा। उपयोग किए जाने वाला सूत यंत्र में काटे गए काउन्ट के सूती धारों का सूत और वे अंतिम रूप से तैयार फैब्रिक में 17 और 25 लैक्स के बीच विरंजित काउन्ट के अनुरूप होगा।

इण्डन :

सावी बुनाई का सूती कपड़ा जिसके दोनों ओर साधारण किनारे बने होंगे जिससे कि धारों निकल न जाएं। कपड़ा विरंजित सफेद किया गया होगा साथ ही यह साफ गंधहीन और सामान्यतया फैब्रिक की तृटियों आमजन रेत, रुई के बीज और पत्तों की गंभीर या अत्यधिक विजातीय पदार्थों से मुक्त होगा।

प्रति शौ.एम० धारो :—ताना 75 से कम नहीं और बाना 55 से कम नहीं। प्रामाण में भार : 30+51

लंबाई और चौड़ाई : लेबल पर कथित लंबाई और चौड़ाई के 98 प्रतिशत से कम नहीं होंगी।

अवशोषकताएं और स्थिरता : अवशोषकता 10 'सेकेण्ड से अधिक नहीं होगा।

उत्प्रकल्पन : जब स्क्रीनिंग परामेग्नी प्रकाशन में देखा जाए तो आकस्मिक उत्प्रकल्पन के बिन्दु ही देखे जा सकें।

विजातीय पदार्थ :

—1 प्रतिशत से अधिक नहीं।

रोगाणुहीनता : यदि रोगाणु रहत हो तो अन्तर्वस्तु रोगाणुहीनता जांच के अनुसार होना चाहिए।

पैक करना, लेबल लगाना और भण्डारकरण :—प्रबोधी गेज को ऐसी सामग्री के साथ मोड़ा और पैक किया जाता है और इस प्रकार कि उसकी प्रबोधी रेत और अन्तर्वस्तु को काढ़े या उच्छव किए बिना लेबल

में उठाया या धरा जा सके। शुद्ध अन्तर्वस्तु लम्बाई और चौड़ाई वर्णित हुए कथित की जाएंगी। यदि रोगाणुरहित हो तो लेबल पर इस प्रकार लिखा होना चाहिए और ऐसी रेसी होनी चाहिए कि उसकी रोगाणुहीनता बनी रहे। प्रबोधी गेज का पैक स्थिति में भण्डारकरण करना चाहिए और उसे आद्रता तथा धूल से बचाया जाना चाहिए।

परोक्षण की पहलि

1. फैब्रिक में तृटि:

नमूने को खोला जाता है और विसरित सुर्यप्रकाश के सामने रखा जाता है और काली आली मेज पर फैला दिया जाता है जिससे कि सूत और फैब्रिक के निर्माण में स्पष्टतः दृश्यमान तृटियों के स्थान का पता लगाया जाता है और पहचाना जाता है।

गंध—फूफूदी गंध, या अत्यधिक श्रौतेषणीय वास जैसे उन रसायनों और सामग्रियों का जो माइक्रोग्रॉवर करने में प्रयोग में लाए जाते हैं।

बचता : (लेबल पट्टियों के लिए) वैसी दशा जिसमें नाना और बाना एक दूसरे के साथ सम्मिलन पर नहीं आते हैं।

बोहरे छोर :—नान कर्पण के कारण नाने में एक से अधिक धारों की एक के रूप में बुनाई है।

फेचुली :—फैब्रिक में उन धारों का उलझ जाना जो बाने की अंदी से बीली बदाई के कारण निकल गए हों।

लंबाई और चौड़ाई का भाष :—लंबाई फैब्रिक के एक किनारे के साथ एक छोर की दूरी है और चौड़ाई एक किनारे से दूसरे किनारे (सामने वाले) तक की लंबक दूरी है।

लंबाई :—एक भीटरी स्केल को मेज पर लगा दें या भेज पर भीटर के भागों को विहिनित कर दें। एक छोर से आरंभ करके फैब्रिक को मेज पर एक ही तह फैला दें और एक किनारे को स्केल के समानांतर रखकर फैब्रिक को बिना फैलाए हुए सपाठ करें जिससे कि सुकरन न हो और किनारे पर रंगीन पेसिल से ठीक एक भीटर का चिह्न लगाएं। फैब्रिक को बदलें और इसी प्रकार दूसरा भीटर मारें और इस प्रकार सूर्यों फैब्रिक पर एक-एक भीटर का चिह्न लगाते जाएं। कुल लंबाई को भीटरों में लिख लें। सामने वाले किनारे पर इसे पुनः लिखें साथ ही लगभग मध्य पर मुड़े फैब्रिक पर भी ऐसा करें। लीनों रीडिंग का ग्रीसत लंबाई है। कटी हुई पट्टियों की वजा में लंबाई के लिमान से मोड़कर पट्टी के मध्य तक मापना पर्याप्त होगा।

चौड़ाई :—मापे जाने वाले फैब्रिक के भाग को मेज पर सपाठ रख दें किन्तु पर्याप्त रूप से सुकरन रहित करने के सिवाए उसे न फैलाएं। उस स्थान पर जहाँ लंबाई मापने के लिए किनारों पर चिह्न लगाया गया है, भीटरी स्केल से सामने वाले किनारे तक लंबक दूरी को मापे। सभी रीडिंग का ग्रीसत फैब्रिक की चौड़ाई है। कटी हुई पट्टियों की वजा में चौड़ाई को प्रत्येक 50 सेमी० पर मापा जाएगा और ग्रीसत की चौड़ाई माना जाएगा।

प्रति शौ.एम० धारो :—(नमूनों के लिए चौड़ाई में 15 सेमी० से कम महीनी)

आमा :—एक छोर से तीसरे भीटर पर तीन स्थानों का पता लगाएं, पहला ऊपरी किनारे के 5 सेमी० भीचे, दूसरा मध्य में और तीसरा निचले किनारे के 5 सेमी० ऊपर। ये तीनों ऊर्ध्वांश अंतिम में होंगे।

एक आयताकार प्लेट (जो प्लास्टिक या एल्यूमीनियम ऐसी उपयुक्त मामग्री की छानी हो) से जिस पर 5 सें.मी. + 10 सें.मी. का आयताकार ग्रोपिंग उस पर काटा गया हो। प्लेट को फैब्रिक के ऊपर क्षैतिक रूप से रखे जिससे कि ग्रोपिंग का बोया भाग 15 सें.मी. और निचला भाग (10 सें.मी.) किनारा क्रमशः ताने और बाने के धारों के साथ मिलता है। बाने के धारों की, संक्षय को ग्रोपिंग के 10 सें.मी. तक गिनती करें। अत्यधिक यह चुने स्थानों पर भी पुनः ऐमा काटे और तीनों रीडिंग की ग्रोसत लिखें। नमूने में प्रत्येक तीन मीटर पर पुनः ऐमा करें और बाने के ग्रोसत की प्रति छीएम संगणना करें।

तापा :-—इस बार आयताकार प्लेट को उच्चाधिक रूप से रखें। ग्रोपिंग का बोया (10 सें.मी. भाग) और निचला (5 सें.मी. भाग) किनारा क्रमशः बाने और बाने से मिलता हो। ग्रोपिंग के भीतर ताने के धारों से मिलता हो। ग्रोपिंग के भीतर ताने के धारों की संक्षय 10 सें.मी. तक गिने और लिखें। इस चुने हुए नमूनों में इसी प्रकार करें और इस बात का ध्यान रखें कि ताने के धारों के एक ही सेट की गणना दो बार से अधिक न की जाए और ताने के कटे ग्रोसत की प्रति छीएम संगणना करें। स्टेण्ड पर लगे हुए आवर्धक शीर्षों का गणन के लिए उपयोग किया जा सकता है।

15 मीटीमीटर से कम लंबाई वाले नमूनों के लिए उन्हें विभिन्न स्थानों का पास लगाएं जिनमा फैब्रिक का आकार ग्रोपिंग करें जिनका धोग प्रति नमूने के लिए 10 सें. कम नहीं होगा और यथा उपरोक्त रूप से ताने और बाने की प्रति छीएम संगणना करें। कटी हुई पट्टियों के लिए नमूने के ताने के सभी धारों की गणना की जाती है। इसमें यह ध्यान रखा जाएगा कि कटे छोड़ पर 5 एम.एम. छोड़ दिया गया है और बाने की गणना पट्टी के मध्य के पास उसी स्थान पर प्रति 50 सें.मी. पर की जाती है।

प्रति घूर्हि एरिया भार :

नमूने का पूरी लंबाई में से फैब्रिक के टुकड़े काटिएं, प्रत्येक तीमरे और चौथे मीटर पर से प्रतिनिधि स्थल लिया जाएगा जिससे कि इस प्रकार संगृहीत मर्मी टुकड़ों का कुल क्षेत्रफल, 15 मी. तक लंबाई वाले नमूने के लिए 3 वर्ग मीटर से कम नहीं है। टुकड़ों को ठीक ठीक सोलिङ, ठीक ठीक लिए गए प्रत्येक टुकड़े के आयाम को मापियं और मर्मी टुकड़ों के क्षेत्र और भार की संगणना करें। इस प्रकार अभिप्राप्त ग्रोसत क्षेत्र और ग्रोसत भार से प्रति वर्गमीटर क्षेत्र की संगणना करें। 15 मी. से कम कम लंबाई वाले नमूनों के लिए टुकड़े इस रीति से लें कि उन टुकड़ों का कुल धोन तक नमूने के कुल धोन से 20 प्रतिशत से कम नहीं हो।

काटी हुई पट्टियों के लिए 50 मीटीमीटर लंबाई के टुकड़े जो एक पैक में 5 विभिन्न काटी हुई पट्टियों से काटे गए हों, लिए जाएं और भार 5 रीडिंग की ग्रोसत पर संगणित किया जाना चाहिए।

अब्बशोषकता : लगभग चौड़ाई 30+गहराई सें.मी. आकार/ऊंचाई का गिलास ले जिसकी दीवारें नींथी मोटी हों और तीनी चिपटी हों। इसे अपुरुष जन से लाभग पूरा भर दें, केवल गिलास के ऊपर से लगभग 50 सें.मी. खाली छोड़ दें। पानी का तापमान 27° सें. पर बनाए रखें।

पूरे नमूने की लंबाई में समान दूरी पर आस्तिक किन्हीं पाँच स्थानों पर वर्गाकार टुकड़े काट लें प्रत्येक का भार एक ग्राम (+10%) हो। प्रत्येक टुकड़े को ऐसी रीति में मोड़ें कि 5 सें.मी. + 5 सें.मी. के बर्ग प्राप्त हो जाएं। मुड़े हुए जांच के नमूनों में से एक को दो छीणों की प्लेटों के बीच रखें और उसके ऊपर 1 किलोग्राम का भार 10 मिनट तक रखें। भार को हटाएं। नमूने को चिमटे से हटाएं और उसे पानी की सतह पर धीरे से रखें (नमूने के बीच में ऐसी चिमटी में धीरे से छुम्हा देना चाहिए जो तेज़ न हों और जिसके किनारे दर्तेवार न हों) जब सतह को छूने वाले नमूने के साथ ही साथ विग्राम छीणों को चला दें जो उम्

सतह तक जाएं जब पुरा नमूना पानी की सतह के नीचे चला जाए। लिए गए समय को अधिकतम कर दें। इसी प्रकार की जांच अत्यधिक नमूनों के साथ मुहराएं। ग्रोसत समय को सेकेण्डों में संगणित करें।

विजातीय पदार्थ :-—नमूने को 5 ग्राम तक जिसका भार निरस्तर बना रहे 105 सें. पर सुखाएं और सुखाएं गए नमूने को ठीक ठीक तौलें क्लोरो फार्म वाले सूखे नमूने को अपशिष्ट के निरस्तर निष्कर्षण के लिए साधिक में निष्कर्षण करें। निष्कर्षित नमूने को एक बीकर में डाल दें औपर क्लोरोफार्म का बाल्पन होने दें। सामग्री को गर्म पानी में धोएं, प्रत्येक बार धोने में 1000 मि.ग्राम 5 पानी का प्रयोग करें और प्रत्येक बार धोने के बाद सामग्री को हाथ से निचोड़ें। सारे पानी को एक छलनी (100 में) से निकालें। छुली सामग्री और किसी खुले धारे या रेशों को छलनी से बीकर में डालें, और निस्टेज के 0-5 प्रतिशत जलीय धोल से उक दें और उसे 50 में पर बनाए रखें जब तक कि वह स्टार्च में मुक्त नहीं हो जाता। ठंडा हो जाने दें। धोल को एक छलनी में छान लें। नमूने को और विधिवत रेशे दो बीकर में लोटा दें। धोने की उपरोक्त प्रक्रिया गरम पानी से फिर करें। सामग्री को 105 सें.मी. पर निरस्तर भार रखते हुए सुखाएं और भार में कभी का अवधारण करें। विजातीय पदार्थ की प्रतिशतता की सामग्री को 105 सें. पर निरस्तर भार रखकर सुखाने की प्रतिया का ध्यान रखें हुए, संगणना करें जो भार में हुई कमी के बराबर हैं।

यदि नमूने की जांच आयोडीन से की जाती है और इटर्नल मुख्य समझी जाती हैं तो इस्टेज के धोल के साथ उपचार और गरम पानी के साथ उसकी दूसरी अंखला की धुकाई छोड़ी जा सकती है।

प्लास्टर आफ पैरिस को कटी हुई पट्टियों के विनेश्वरण के लिए कपड़े की विधिविधान :

ममानार्थक :—प्लास्टर आफ पैरिस के लिए बिरंजित पट्टी का कपड़ा प्लास्टर आफ पैरिस पट्टियों के लिए कपड़ा

लिनों बुनाई के सूती कपड़े का होना है जो धारों से बना होता है यह विभिन्न आकारों में कटा हुआ या न कटा हुआ हो सकता है।

बर्णन :

(क) न कटी हुई पट्टियों के लिए :

लिनों बुनाई का सूती कपड़ा जो एक निरस्तर लंबाई का होगा जिसमें कोई जोड़ या सीवन रेखा नहीं होगी और उसमें किनारे धने होंगे। कपड़ा विरंजित करके अलड़ा सफेद, सफ और गंध गहिर होगा। बुनाई की पट्टियों में तथा बीज और पत्तों की गंधी से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होगा। कपड़े की यदि आवश्यकता हो, तो ईंटिंग की जा सकेगी और यदि ऐसा किया जाता है तो खोले जाने पर उस पर से धूत नहीं उड़नी चाहिए।

(ख) काटी हुई पट्टियों के लिए :

न काटी हुई पट्टियों की भाँति, किनारों को छोड़कर जिन्हें पट्टी में समिर्नित नहीं किया जाएगा, उन्हें समरूप से काटा जाएगा जिनके छोर सीधे होंगे और हीले धारों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे।

प्रति ग्राम 500 ग्राम :

नमूने का ग्राम 150 ग्राम में कम नहीं होगा और वाने का भार ग्राम 75 ग्राम में कम नहीं होगा।

भार ग्राम/ग्राम में : 35-45

लंबाई और चौड़ाई :

न काटी हुई पट्टियों की लंबाई और चौड़ाई लेबल में जांच लंबाई और चौड़ाई के 98 प्रतिशत से कम भाँति होगी। काटी हुई पट्टियों लिए के

5 सें.मी. और लौटाई में +05 सें.मी. की सहायता जा सकेगी और पैक में प्रत्येक पट्टी इन अपेक्षाओं की

जारीकरण :

जब स्थीरित परामीगति प्रकाश में देखा जाए तो आकस्मिक उत्कृष्णन के बिन्दु ही देखें जा सकें।

पैक करना, से बल लाना और लंडारण :

स्लास्टर आफ पेरिस के लिए पट्टी का कपड़ा इस प्रकार सुधारित हो से पैक किया जाएगा कि अन्तर्वस्तु को फाड़े या आच्छाप किए जिन सामान्य रूप से उठाया/धरा जा सके और उनका परिवर्तन किया जा सके। काटी हुई रोल बनाई गई पट्टियों में प्रत्येक पट्टी को उपयुक्त कागज में अलग-अलग लपेटा जाएगा। शुद्ध अन्तर्वस्तु को लेबल पर, रालों ही संख्या और लंबाई सथा चौड़ाई बनाते हुए उपवर्गित किया जाएगा। स्लास्टर आफ पेरिस के लिए पट्टी कपड़ा अच्छी तरह पैक करके भेदागत किया जाएगा और उसे घूल में बचाया जाएगा।"

[मं. प्रक्र. 11013/8/81-डी.आर.प्र.पंडी.प.ए.प.]

आरोक्तोगिधर, मध्यक सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd March, 1982

G.S.R. 262(E).—The following draft of certain rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, which the Central Government propose to make, after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, in exercise of the powers conferred by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), is hereby published as required by the said sections for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of a period of 90 days from the date on which the copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Drugs and Cosmetics (2nd Amendment) Rules, 1982.

2. In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945—

(i) after rule 124-B the following shall be inserted namely:—

"124-C. Standards for Surgical Dressings

The standards for surgical dressings shall be such as are laid down in Schedule F (II)."

(ii) after Schedule F(I), the following shall be inserted, namely:—

"Schedule F(II) (See Rule 124-C)

STANDARDS FOR BANDAGE CLOTH

Synonyms : Bleached Bandage Cloth, Rolled Bandages, Open Wove Bandage; Cotton Bandage Cloth.

Bandage Cloth consists of cotton cloth of plain weave made from machine spun yarn of suitable count to comply with a bleached count between 20 tex and 25 tex from warp and between 25 tex to 30 tex for weft. The fabric contains no filling, sizing or dressing materials; it may be

supplied uncut and folded or cut to suitable sizes and rolled. Description for uncut bandages :

Cotton cloth of plain weave, in one continuous length showing no joins or seems, with well formed selvedges; the cloth is bleached to a good white, is clean and odourless, and reasonably free from weaving defects as well as from seed and leaf debris.

For cut bandages :

As for uncut bandages, except for selvedges which shall not be included in cut bandages; in addition, both the extremes and edges of cut bandages shall be straight and evenly cut, with reasonable freedom from loose threads.

Threads per dm : Warp not less than 150 and weft not less than 85.

Weight in g/m 2 : 57 ± 5

Length and width :

The length and width shall not be less than 99 per cent each of the length and width stated on the label; for cut bandages, each of the bandages in a packing complies with this requirement.

Foreign matter : Not more than 2 per cent.

Fluorescence :

When viewed under screened ultra-violet light, not more than occasional points of fluorescence are observed.

Packing, labelling and storage :

Bandage cloth shall be packed securely so as to allow normal handling and transport without tearing and exposing the contents. In packages of cut and rolled bandage, each bandage shall also individually be wrapped in a suitable paper. The net content is stated on the label in terms of length and width. Bandage cloth must be stored in packed condition, protected from dust. The packings of Bandage cloth shall be labelled prominently with the words "Non Sterile".

Standards for Absorbent Gauze :

Synonyms : Gauze; Unmedicated Gauze; Absorbent Cotton Gauze. Absorbent Gauze is cotton fabric of plain weave, supplied in various widths and lengths. The Gauze is bleached and free from any sizing, dressing or filling material. The yarn used is machine spun cotton yarn, of suitable count to comply with a bleached count between 17 and 25 tex in the finished fabric.

Description :

Cotton cloth, plain weave with a simple selvedge present on both sides to prevent unravelling of yarn, the cloth is bleached to a good white; is clean, odourless, reasonably free from fabric defects and adhering sand, debris from cotton seeds and leaves or any other foreign matter.

Threads per dm : Warp not less than 75 and weft not less than 55.

Weight in g/m 2 : 30 ± 5.

Length and width : Not less than 98 per cent each of the length and width stated on the label.

Absorbency : Average sinking time not more than 10 seconds.

Fluorescence : When viewed under screened ultra-violet light not more than occasional points of fluorescence are observed.

Foreign matter : Not more than 1 per cent.

Sterility : If sterile, the contents comply with the test for sterility.

Packing, labelling and storage :

Absorbent Gauze is folded and packaged with such materials and so securely as to protect its absorbency and allow normal handling and transport without tearing and exposing the contents. The net content is stated on the label in terms of length and width. The packages will be labelled prominently with the words "Non Sterile". If sterile, it is so stated.

on the table, and the packing method and material should be such as to maintain the sterility. The absorbent gauze must also comply with the sterility Test. Absorbent Gauze must be stored in packed condition, protected from moisture, and dust.

METHODS OF TESTS

1. Defect in fabric

The sample is unfolded, opened and held against diffused day light and spread on black topped table to locate and identify prominently visible defects in yarn and fabric construction. The fabric shall be reasonably free from holes, slubs, snarls and naps as well as the following :—

Odour : Musty odour, or any objectionable smell like that of chemicals or materials used in sizing and bleaching.

Skewness : (for Bandage cloth only) A condition where warp and weft do not keep at right angles to each other.

Defective Selvedge

The selvedge tearing and allowing yarn to unravel, and loop formation at selvedge.

Cracks : Prominent streaks of space or gaps between warp or weft yarns.

Double ends : More warp threads woven as one, due to wrong draw.

Sloughing : Entanglement in the fabric of a bulk of yarn that has slipped off the weft plain due to loose winding.

Measurement of length and width .

Length is the distance from end to end, along one edge of the fabric, and width is the perpendicular distance from one edge to the opposite edge.

Length :

Fix a metre scale to a table or mark off the division of one metre on a table edge. Starting from one end, spread the fabric flat on that table in a single layer, keeping one selvedge parallel to the scale; smoothen the fabric without stretching it to avoid creases and mark off with a coloured pencil, on the selvedge exactly one metre. Shift the fabric and measure in the same way the second metre and so on for the entire length of the fabric marking a mark at each metre. Note down the total length in metres. Repeat this at the opposite selvedge, as well as on the fabric folded approximately about the middle. The average of the three readings is the length. For cut bandages, one measurement at the middle of the bandage by folding it length-wise will suffice.

Width .:

Lay the portion of the fabric to be measured flat and smooth on a table, but do not stretch fabric except sufficiently to render it creaseless. At the place where mark had been made on the selvedge in measuring the length measure the perpendicular distance to the opposite selvedge with a metre scale. Note the width, repeat this at every mark made in measuring the length. The average of all the readings is the width of the fabric. For cut bandages, width shall be measured at every 50 cm., and average reported as width.

Threads per dm : (for samples not less than 15m. in Length)

Weft :

At the third metre from one extreme locate three places one at about 5 cm. below the top selvedge, a second in the middle and third at about 5 cm. above the bottom selvedge, all three in a vertical row. Take a rectangular plate, (made of suitable material such as plastic or aluminium) with the rectangular opening of 5 cm. x 10 cm. cut in it. Keep the plate on the fabric horizontally so that the left 5 cm. side and bottom (10 cm. side) edges of the opening coincide with a weft and warp yarn respectively; count the number of weft yarns within the opening for the length of 10 cm. Repeat this at the other two selected places, and note down the average of three readings. Repeat this at every third metre in the sample and calculate the average weft per dm.

Warp :

Keep the rectangular plate, this time vertically with left (10 cm. side) and bottom (5 cm. side) edge of opening coinciding with a weft and warp yarn respectively. Count the number of warp yarns within the opening for 10 cm. and note down. Repeat this for about 10 selected places in the samples taking care that the same set of warp yarns is not counted more than twice and calculate the average warp per dm. Magnifying glass mounted on stand may be used for counting.

For samples less than 15 cm. in length, locate as many different places as the dimension of the fabric permits, the total being not less than 10 for each sample, and calculating the warp and weft per dm. as above. For cut bandages, all the warp threads in the samples are counted, taking care to leave 5 mm. at the cut edge, and weft is counted at every 50 cm. at any place about the middle of the bandage.

Weight per unit area

Cut out pieces of fabric from the entire length of the sample, representative places being taken from areas at every third or fourth metre so that the total area of all the pieces so collected is not less than 3 sq. metre for a sample not less than 15 m. in length. Weigh the pieces taken accurately, and calculate the area and weight of all the pieces. From the average area and average of weight thus obtained, calculate the area per sq. metre.

For samples less than 15 m. in length, take pieces in such manner that the total area of the selected pieces is not less than 20 per cent of the total area of the sample.

For cut bandages, pieces of 50 cm. in length, cut from 5 different cut bandages in a packing should be taken and weight calculated as an average of 5 readings.

Absorbency

Take a glass trough of approximate size-height 30 x width 30 x depth 25 cm. with straight thick walls and flat bottom. Fill it almost full with distilled water leaving only about 5 cms. from the top rim of trough. Maintain the water at 27°C.

Cut out from any five places located equidistant down the length of the entire sample, square pieces, each weighing a gm. (+10 per cent). Fold each piece in such a manner that a square of approximately 5 cm. x 5 cm. is obtained. Keep one of the folded test specimens between two glass plates and place 1 kg. weight on the top for 10 minutes. Remove the weight. Lift the specimen with forceps and gently place it on to the surface of water (the specimen should be lightly pinched in the middle with a blunt forceps having no serrations). Simultaneous to the specimen touching the water surface start a stop watch which is stopped when the entire sample disappears below the surface of the water. Record the time taken. Repeat the test with the other four test specimens. Calculate the average time in seconds.

Foreign Matter

Dry about 5 gm. of the sample to constant weight at 105°C and weight the dried sample accurately. Extract the dried sample with chloroform for one hour in an apparatus for the continuous extraction of drugs. Remove the extracted sample to a beaker and allow the evaporation of residual chloroform. Wash the material 12 times with hot water, using about 1000 mg. for each washing and wringing the material by hand after each washing; pass all waters through a fine sieve (100 mesh). Place the washed material and any loose threads or fibres from the sieve in a beaker, cover with a 0.5 per cent aqueous solution of diastase, and maintain at 50°C until free from starch. Allow to cool, filter the solution through a sieve, return sample and loose fibres to a beaker. Repeat the washing process as before with hot water. Dry the material to constant weight at 105°C, and determine the loss in weight. Calculate the percentage of foreign matter, which is equal to the loss in weight, with reference to the sample dried to constant weight at 105°C.

If the sample is tested with iodine and is known to be free from starch, the treatment with solution of diastase and the second series of washing with hot water may be omitted.

Specifications for cloth for manufacture of Plaster of Paris Bandages; cut and uncut :

Synonyms.:

Bleached Bandages Cloth for Plaster of Paris; Rolled Bandage for Plaster of Paris.

CLOTH FOR PLASTER OF PARIS BANDAGES

Consists of cotton cloth of leno weave made from yarn. It may be supplied cut or uncut of various widths and lengths.

Description

(a) For uncut bandages :

Cotton cloth of leno weave, in one continuous length showing no joints or seems, and with selvedges. The cloth is bleached to a good white, is clean and odourless and reasonably free from weaving defects as well as from seed and leaf debris; the cloth may be dressed if necessary and if so, shall not dust off when unrolled.

(b) For cut bandage :

As for uncut bandage except for selvedges which shall not be included and the bandages shall be cut evenly with straight edges and be reasonably free from loose threads.

Threads per dm :

Warp : average not less than 150 dm; and weft: average not less than 75 dm.

Weight in gm/m² : 35 ± 5

Length and width :

The length and width for uncut bandages shall not be less than 98 per cent each of the length and width stated on the label. For cut Bandages a tolerance of + 5 cm. in length and + 0.5 cm in width may be allowed, and each of the bandages in a packing complies with these requirements.

Fluorescence :

When viewed under screened ultra-violet light not more than occasional points of fluorescence are observed.

Packing, labelling and storage :

Bandage cloth for Plaster of Paris shall be packed securely so as to allow normal handling and transport without tearing and exposing the contents. In packages of cut and rolled bandages, each bandage shall also individually be wrapped in suitable paper. The package shall be labelled as "Cloth for Plaster of Paris Bandage". The net content is stated on the label in terms of number of rolls and length and width. Bandage cloth for Plaster of Paris must be stored in packed condition protected from dust."

[No. X-110013/8/81-DMS&PFA]

R. K. SINGHAL, Jt. Secy.